Doon Public School

Worksheet

Class IX -Hindi Date: 07/05/2020

प्रिय विद्यार्थियों,

आशा करती हूँ कि आप सब अपने-अपने परिवार के साथ स्वस्थ और आनंद के साथ होंगे। यह आपका हिन्दी विषय का ग्रीष्मकालीन गृह कार्य है । इसे आप सुंदर और साफ हस्तलेख में अपनी हिन्दी की नोट बुक में लिखें । इस ग्रीष्मकालीन गृह कार्य की जाँच , जब भी स्कूल खुलेगा तब की जाएगी। आप अपने समय को बहुत ही सावधानी और सुरक्षा के साथ बिताएँ । क्योंकि एक बार जो समय चला जाता है , वह लौटकर नहीं आता है । समय की कीमत , उसे खोकर ही पता चलती है। आशा करती हूँ की आप सब मेरा मंतव्य समझ गए होंगे। अपना ध्यान रखिए और घर में ही रहिए।

(विभाग- वाचन)

प्रश्न 1: निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

जहाँ भी दो नदियाँ आकर मिल जाती है , उस स्थान को अपने देश में तीर्थ ' कहने का रिवाज है। और यह केवल रिवाज की ही बात नहीं है, हम सचमुच मानते हैं कि अलग-अलग नदियों में स्नान करने से जितना पुण्य होता है , उससे कहीं अधिक पुण्य संगम स्नान में है। किंतु , भारत आज जिस दौर से गुजर रहा है, उसमें असली संगम वे स्थान, वे सभाएँ तथा वे मंच हैं, जिन पर एक से अधिक भाषाएँ एकत्र होती हैं।

नदियों की विशेषता यह है कि वे अपनी धाराओं में अनेक जनपदों का सौरभ , अनेक जनपदों के आँसू और उल्लास लिए चलती हैं और उनका पारस्परिक मिलन वास्तव में नाना के आँसू और उमंग, भाव और विचार, आशाएँ और शंकाएँ समाहित होती हैं। अतः जहाँ भाषाओं का मिलन होता है , यहाँ वास्तव में विभिन्न जनपदों के हृदय ही मिलते हैं, उनके भावों और विचारों का ही मिलन होता है तथा भिन्नताओं में छिपी हुई एकता वहाँ कुछ अधिक प्रत्यक्ष हो उठती है। इस दृष्टि से भाषाओं के संगम आज सबसे बड़े तीर्थ हैं और इन तीर्थों में जो भी भारतवासी श्रद्धा से स्नान करता है , वह भारतीय एकता का सबसे बड़ा सिपाही और संत है।

हमारी भाषाएँ जितनी ही तेजी से जगेंगी, हमारे विभिन्न प्रदेशों का पारस्परिक ज्ञान उतना ही बढ़ता जाएगा। भारतीय कि वे केवल अपनी ही भाषा में प्रसिद्ध होकर न रह जाएँ , बल्कि भारत की अन्य भाषाओं में भी उनके नाम पहुँचे और उनकी कृतियों की चर्चा हो। भाषाओं के जागरण का आरंभ होते ही एक प्रकार का अखिल भारतीय मंच आप-से-आप प्रकट होने लगा है। आज प्रत्येक भाषा के भीतर यह जानने की इच्छा उत्पन्न हो गई है कि भारत की अन्य भाषाओं में क्या हो रहा है, उनमें कौन-कौन ऐसे लेखक है. है तथा कौन सी विचारधारा वहाँ प्रभुसत्ता प्राप्त कर रही है।

(क) लेखक ने आधुनिक संगम-स्थल किसको माना है और क्यों?
(ख) भाषा संगमों में भारत की किन विशेषताओं का संगम होता है?
(ग) दो नदियों का मिलन किसका प्रतीक है?
(घ) अलग-अलग प्रदेशों में आपसी ज्ञान किस प्रकार बढ़ सकता है?
(ड) स्वराज प्राप्ति के उपरांत विभिन्न भाषाओं के लेखकों में क्या जिज्ञासा उत्पन्न हुई?
(च) लेखक ने सबसे बड़ा सिपाही और संत किसको कहा है और क्यों?

<u>उत्तरतालिका</u>

(क) लेखक ने आधुनिक संगम स्थल उन सभाओं व मंचों को माना है, जहाँ पर एक से अधिक भाषाएँ एकत्रितहोती है। ये भा पाएँ विभिन्न जनपदों में बसने वाली जानता की भावनाएँ लेकर आती हैं।

(ख) किसी भी भाषा के भीतर उस भाषा को बोलने वाली जनता के आँसू और उमंग, भाव और विचार, आशाएँ और शंकाएँ समाहित होती हैं। फलतः जहाँ भाषाओं का संगम होता है. वहाँ विभिन्न भाषा-भाषी लोगों के भावों और विचारों का संगम होता है।

(ग) नदियाँ अपनी धाराओं के साथ मार्ग में आने वाले जनपदों के हर्ष एवं विषाद की कहानी लेकर बहती हैं। अत: उनका मिलन विभिन्न जनपदों के मिलन का ही प्रतीक है।

(घ) भाषाएँ ही लाखों वर्षों तक ज्ञान-विज्ञान को सुरक्षित रखती हैं तथा ज्ञान का प्रचार-प्रसार करती हैं। अत. हम कह सकते हैं कि अलग-अलग प्रदेशों में आपसी ज्ञान तभी बढ़ सकता है, जब भारतीय भाषाएँ जागेंगी।

(ड) स्वराज-प्राप्ति के उपरांत विभिन्न भाषाओं के लेखकों में यह जिज्ञासा उत्पन्न हुई कि भारत की अन्य भाषाओं में क्या हो रहा है। वे अन्य भाषाओं में भी अपनी प्रसिद्ध चाहने लगे तथा वे अन्य भाषाओं के कवियों एवं उनकी कृतियों के प्रति जिज्ञासु हो उठे।

(च) लेखक ने भाषाओं के संगम में गोता लगाने वाले श्रद्धालुओं को सबसे बड़ा सिपाही और संत कहा है। उसका मानना है किबभाषाओं का संगम, विभिन्न भाषा-भाषियों के भावों और विचारों का संगम

होता है। वहीं विभिन्नता में छिपी एकता मूर्त रूप लेती है और दर्शन करने वाला कोई देशभक्त सिपाही हो सकता है या संत।

(विभाग- व्याकरण)

प्रश्न 2 निर्देशानुसार उत्तर दीजिए |

1 'प्रत्यारोप' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

2 'अभि' उपसर्ग लगाकर एक शब्द बनाएँ।

3 'सादगी' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

4 'नी' प्रत्यय लगाकर नया शब्द बनाएँ।

5 'अनुपस्थित' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

6 'दुर्' उपसर्ग से दो शब्द बनाएँ।

7 'दैनिक' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

8 'ईय' प्रत्यय लगाकर नया शब्द बनाएँ।

9 'अभिप्राय' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

10 'अप' उपसर्ग लगाकर एक शब्द बनाएँ।

11 'टहलना' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

12 'बाज़' प्रत्यय लगाकर नया शब्द बनाएँ।

उत्तरतालिका

1 उपसर्ग - प्रति , मूलशब्द - आरोप
2 अभिमान
3 मूलशब्द - सादा , प्रत्यय - गी
4 मोरनी
5 उपसर्ग - अन , मूलशब्द - उपस्थित
6 दुर्जन, दुर्बल
7 मूलशब्द - दिन , प्रत्यय- इक
8 भारतीय
9 उपसर्ग - अभि , मूलशब्द - प्राय
10 अपमान
11 मूलशब्द - टहल , प्रत्यय - ना
12 निशानेबाज़

प्रश्न 3: निम्नलिखित समस्त पदो का विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

1 गुरुदक्षिणा
2 बैलगाड़ी

3 यश-अपयश

4 नरसिंह

5 कन्यादान

6 मनोरंजनार्थ

7 वीणापाणि

8 प्रतिमाह

9 भारतरत्न

10 तिराहा

11 माता-पिता

12 रसोईघर

उत्तर तालिका

1 गुरु के लिए दक्षिणा - तत्पुरुष समास

2 बैलों वाली गाड़ी - तत्पुरुष समास

3 यश और अपयश - द्वंद्व समास

4 सिंह के समान नर - कर्मधारय समास

5 कन्या का दान - तत्पुरुष समास

6 मनोरंजन के लिए - तत्पुरुष समास

7 वीणा है जिसके हाथों में अर्थात सरस्वती - बहुब्रीहि समास

8 प्रत्येक माह - अव्ययीभाव समास

9 भारत का रत्न - तत्पुरुष समास

10 तीन राहों का समाहार - द्विगु समास

11 माता और पिता - द्वंद्व समास

12 रसोई के लिए घर - तत्पुरुष समास

(विभाग- लेखन)

प्रश्न 4: 'स्वच्छ भारत अभियान' को सफल बनाने की अपील करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के सम्पादक को पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन
नई दिल्ली

दिनांक- 5 मई, 2020

सेवा में
सम्पादक महोदय

नवभारत टाइम्स
नई दिल्ली

विषय- 'स्वच्छ भारत अभियान' को सफल बनाने हेतु।

महोदय,
मैं आपके प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के माध्यम से सभी लोगों का ध्यान 'स्वच्छ भारत अभियान' की ओर आकर्षित करना चाहती हूँ। गाँधी जी की 145 वीं जयन्ती के अवसर पर प्रधानमन्त्री नरेन्द्र मोदी ने इस अभियान के आरम्भ करने की घोषणा की थी। इस स्वच्छता अभियान में हम सभी भारतीयों का कर्त्तव्य है कि हम इस अभियान को सफल बनाने में अपना सक्रिय योगदान दें। 'स्वच्छ भारत अभियान' वैयक्तिक एवं सामाजिक दोनों स्तर पर अत्यधिक लाभप्रद होगा।

अतः मेरी सभी से अपील है कि इस अभियान को सफल बनाने के लिए स्वयं को, अपने घर को, अपने पड़ोस को, अपने मोहल्ले को, अपने जिले को, अपने राज्य को और अपने देश को स्वच्छ रखने में सहयोग दें।

मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप उपरोक्त विषय को अपने समाचार पत्र में स्थान देंगे जिससे अधिक से अधिक लोगों को जागरूक किया जा सके।

धन्यवाद

भवदीया
क ख ग

प्रश्न 5 : अपने मित्र को वार्षिक परीक्षा में प्रथम स्थान पर उत्तीर्ण होने के उपलक्ष्य में बधाई पत्र लिखिए।

परीक्षा भवन
रांची
दिनांक-16 मार्च, 2020

प्रिय मित्र

सप्रेम नमस्कार

15 मार्च, 2020 के समाचार-पत्र में तुम्हारी सफलता का सन्देश पढ़ने को मिला। यह जानकर मुझे बहुत ख़ुशी हुई कि तुमने जिला स्तर पर 12वीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया हैं।

प्रिय शेखर, मुझे तुम से यही आशा थी। तुम्हारी पढ़ाई के प्रति निष्ठा और लगन को देखकर मुझे पूर्ण विश्वास हो गया था कि 12वीं कक्षा की परीक्षा में तुम अपने विद्यालय तथा परिवार का नाम अवश्य रोशन करोगे। परमात्मा को कोटि-कोटि धन्यवाद कि उसने तुम्हारे परिश्रम का नाम अवश्य रोशन करोगे। परमात्मा को कोटि-कोटि धन्यवाद कि उसने तुम्हारे परिश्रम का उचित फल दिया हैं।

मेरे दोस्त , अपनी इस शानदार सफलता पर मेरी हार्दिक बधाई स्वीकार करो। मैं उस परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता हूँ कि जीवन में सफलता इसी प्रकार तुम्हारे चरण चूमती रहे तथा तुम जीवन में उन्नति के पथ पर अग्रसर रहो।

मुझे पूरी आशा हैं कि इसके पश्चात् होने वाली कॉलेज की आगामी परीक्षाओं में भी तुम इसी प्रकार उच्च सफलता प्राप्त करोगे तथा जिनका परिणाम इससे भी शानदार रहेगा। मेरी शुभकामनाएँ सदैव तुम्हारे साथ हैं।

शुभकानाओं सहित
तुम्हारा अभिन्न हृदय
क ख ग

प्रश्न 6 : माँ और बेटे के बीच पर्यावरण दिवस के संबंध में हुई बातचीत को संवाद के रूप में लिखिए ।

उत्तर : <u>माँ-बेटे के बीच संवाद</u>

बेटा- माँ, ओ माँ !

माँ- अरे, आ गए बेटा !

बेटा- हाँ माँ ..... ।

माँ- आज स्कूल से आने में काफी देर लगा दी..... ।

बेटा- हाँ माँ, आज विश्व पर्यावरण-दिवस जो था।

माँ- तो क्या कोई विशेष कार्यक्रम था तेरे स्कूल में ?

बेटा- हाँ माँ, आज हमारे स्कूल में 'तरुमित्रा' के फादर आए हुए थे।

माँ- तब तो जरूर उन्होंने पेड़-पौधों के बारे में विशेष जानकारी दी होगी।

बेटा- हाँ, उन्होंने जानकारी भी दी और हम छात्रों के हाथों पौधे भी लगवाए।

माँ- तुमने कौन-सा पौधा लगाया ?

बेटा- मैंने अर्जुन का पौधा लगाया, माँ।

माँ- बहुत खूब।

बेटा- जानती हो माँ, शिक्षक बता रहे थे कि यह पौधा हृदय-रोग में काम आता है।

माँ- वह कैसे ?

बेटा- इसकी छाल और पत्ते से हृदय-रोग की दवा बनती है।

माँ- पेड़-पौधों के बारे में शिक्षक ने और क्याक्या बताया ?

बेटा- उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे पर्यावरण को संतुलित रखते हैं। वे हमें ऑक्सीजन देते हैं। इन्हें अपने आस-पास लगाने चाहिए।

माँ- अच्छा, अब मेरा राजा बेटा, हाथ-पाँव धोकर भोजन करेगा।

बेटा- ठीक है, माँ।

<u>स्वयं परीक्षण (निम्न लिखित प्रश्नों के उत्तर नोट बूक में लिखें)</u>

प्रश्न 1: निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

भारतीय धर्मनीति के प्रणेता नैतिक मूल्यों के प्रति अधिक जागरूक थे। उनकी यह धारणा थी कि नैतिक मूल्यों का दृढ़ता से पालन किए बिना किसी भी समाज की आर्थिक व सामाजिक प्रगति की नीतियाँ प्रभावी नहीं हो सकतीं। उन्होंने उच्चकोटि की जीवन-प्रणाली के निर्माण के लिए वेद की एक ऋचा के आधार पर कहा कि उत्कृष्ट जीवन-प्रणाली मनुष्य की विवेक-बुद्ध से तभी निर्मित होनी संभव है, जब सब लोगों के संकल्प , निश्चय, अभिप्राय समान हों , सबके हृदय में समानता की भव्य भावना जाग्रत हो और सब लोग पारस्परिक सहयोग से मनोनुकूलकार्य करें। चरित्र-निर्माण की जो दिशा नीतिकारों ने निर्धारित की , वह आज भी अपने मूल रूप में मानव के लिए कल्याणकारी है। प्रायः यह देखा जाता है कि चरित्र और नैतिक मूल्यों की उपेक्षा वाणी , बाहु और उदर को संबत न रखने के कारण होती है। जो व्यक्ति इन तीनों पर नियंत्रण रखने में सफल हो जाता है, उसका चरित्र ऊँचा होता है।

सभ्यता का विकास आदर्श चरित्र से ही संभव है। जिस समाज में चरित्रवान व्यक्तियों का बाहुल्य है, वह समाज सभ्य होता है और वही उन्नत कहा जाता है। चरित्र मानव-समुदाय की अमूल्य निधि है। इसके अभाव में व्यक्ति पशुवत व्यवहार करने लगता है। आहार , निद्रा, भय आदि की वृत्ति सभी जीवों में विद्यमान रहती है. यह आचार अर्थात चरित्र की ही विशेषता है , जो मनुष्य को पशु से अलग कर, उससे ऊँचा उठा मनुष्यत्व प्रदान करती है। सामाजिक अनुशासन बनाए रखने के लिए भी चरित्र-निर्माण की आवश्यकता है। सामाजिक अनुशासन की भावना व्यक्ति में तभी जाग्रत होती है , जब वह मानव प्राणियों में ही नहीं वरन सभी जीवधारियों में अपनी आत्मा के दर्शन करता है।

(क) हमारे धर्मनीतिकार नैतिक मूल्यों के प्रति विशेष जागरूक क्यों थे?
(ख) चरित्र मानव-जीवन की अमूल्य निधि कैसे है? स्पष्ट कीजिए।
(ग) धर्मनीतिकारों ने उच्चकोटि की जीवन प्रणाली के संबंध में क्या कहा?
(घ) प्रस्तुत गद्यांश में किन पर नियंत्रण रखने की बात कही गई है और क्यों?
(ड) कैसा समाज सभ्य और उन्नत कहा जाता है?
(च) सामाजिक अनुशासन की भावना व्यक्ति में कब जाग्रत होती है?

प्रश्न 2: निर्देशानुसार उत्तर दीजिए |

1 'परिश्रम' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

2 'सत्' उपसर्ग लगाकर एक शब्द बनाएँ।

3 'अभिमानी' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

4 'ता' प्रत्यय लगाकर नया शब्द बनाएँ।

5 'सदाचार' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग और मूल शब्द लिखिए।

6 'प्रति' उपसर्ग से दो शब्द बनाएँ।

7 'लालिमा' शब्द में प्रयुक्त प्रत्यय और मूल शब्द लिखिए।

8 'आहट' प्रत्यय लगाकर नया शब्द बनाएँ।

प्रश्न 3: निम्नलिखित समस्त पदो का विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

1 गगनचुंबी
2 गृहप्रवेश
3 आमरण
4 सुख-शांति
5 नीलकंठ
6 लंबोदर
7 तुलसीकृत
8 गंगाजल

प्रश्न 4: आपने अपना घर बदल लिया है । आपके पत्र नए पते पर प्रेषित किए जाएँ , इसके लिए नए पते की सूचना देते हुए डाकपाल को पत्र लिखिए ।

प्रश्न 5: अपने मित्र को ग्रीष्मावकाश में किसी पर्यटन-स्थल पर साथ चलने का आग्रह करते हुए एक पत्र लिखिए ।

प्रश्न 6: सब्जी वाले और ग्राहक के बीच हुए संवाद को 50-100 शब्दों में लिखिए ।